Second Year T.D.C. (Arts) Examination, 2001
RAJASTHANI SAHITYA
Paper-I
(Gadya)
(प्रथम प्रश्न-पत्र)
गद्य

Time : 3 Hours
[Maximum Marks :100]

1. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए:

(क) तद डोडगहेली कह्यो - जी, इसा भाई तो म्हारा ई न छै सु थाने घोड़ो ले आवण दिये का तो पहूँच अर में ही राखे, अर जाणे बेहनेई रो भाई छै, मारे नहीं तो अंवले.....आंसवै रोवावो। ताहरां पाबूजी कह्यो म्हे राठोड, छां डोड राज करता तठे बूड़ाजी परणिया हुता। पद पाबूजी भोजाई सू वाद करने ऊठ डेरे आया।
अथवा अर उठी काळी सड़क रे माथे एक चित्राम किणी उम्दा पारखी ने उडीकतो हो। लाल रगत रे बिचाले मिनख रो घोलो भेजो। फूटीली बोतल रा टूकड़ा। किणी मोट्यार की ल्हास। घोलो नेकर। ठोड़-ठोड़ रगत रा छाबका। सोसनी बंडी। सपनां रो कितड क़ो। मोह-प्रीत रा रेला। चित्रांम की बेजा नी हो। 10 *3

(ख) घणो तो कांई कैवणो है पण एक बात सौ टंच सीनैरी कै तीडोराव रै आगै पीरां - पैगंबरा री मैमाई औछी। नारायण रा साछात रूप किसन जी तो सोळै कळावां ई खेली पण म्हारे आज रे कंपूटर जुग रा औतार तीडोराव तो एक माथै एक चौसठ कळावा देखार जगत नै इण जूण रो सांच बतायो।

अथवा

ए तो आपांरा बड़ा भाग कै तीडोराव जैडा सेत राज रा पांवणा। कठै पड़या है आज होई के राजं रै जमाने में एडी तपसी । आ तो बात ई निरपाकी रै असवार रै सागै-सागै ई संत अठे पधारग्या..... नीं जद तो घणी खंभा अंदाता, आप तो जांणोई हो कै राजा जोगी अगन जल थोड़ी पाळै प्रीत....कांई भरोसा ऐड़ा अवधूत जोग्या रो, आमो ऊंधाय दै कै धरती ऊंच दै।

(ग) अबै खेत में राम विराज रियो है, गालै-गोटै, कूं-कूं दूधी बाजरी, परात-परात सूंणा मोठ अर मांचै-मांचै मान वेल लोइयां, काकड़िया सूं फनली फली ज्योड़ी वधै है। तिलांरी साटीर फुली, ग्वार रे वग्गर फळी मिनखां रै मन रळी करारिया है। फुसै री झूंपड़ी -प्रेम दिन दूणो रात चौगणो वधरयो है। सुखांरा दिन वगतां जेज कोनी लाग्या करै है। दियाळीरा दीया दीठा काचर बोर मतीरा मीठा।

अथवा

एक झूठ ने ल्हुकोवण खातर सौ झूठ बोलणी पडै, बियांई एक न्यावू करम माथै पड़दो नाखण खातर अनेक नयावू करम करणा पडै। म्हारै में ई इतरी सगती नी क कर्यै करम खातर छाती ठौक'र कैय देवूं क ओ मै करयो। इण खातर म्हारी आ कमजोरी ई एक अपराध है जिको एक अपराध नै ल्हूकोवण सारू होयां बगै। हियाव करने कुकरम करण रो हुकार भर ल्यूं तो पिराछित नीं होय जावै।

2. 'राजस्थानी साहित्य में जूझारू भावना' शीर्षक निबंध का आशय स्पष्ट कीजिए। 18

अथवा

'मां रो लाल' एकांकी की राष्ट्रीय भावना पर प्रकाश डालिए।

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com

3. 'तीडोराव' नाटक के किस पात्र ने आपको सबसे अधिक प्रभावित किया है? कारण स्पष्ट करते हुए सतर्क उत्तर दीजिए। 18

अथवा

'तीडोराव' नाटक के कथानक को स्पष्ट करते हुए उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

4. 'राजपूताणी' शीर्षक कहानी का चरित्र-चित्रण की दृष्टि से मूल्यांकन कीजिए। 18

अथवा

कहानी कला की दृटि से 'लिछमी रो लाडलो' कहानी की समीक्षा कीजिए।

5. आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य के विकास को स्पष्ट कीजिए 16

अथवा

निम्नलिखित में से किसी एक का परिचयात्मक विवरण प्रस्तुत कीजिए।,

(i) आधुनिक राजस्थानी रेखा-चित्र।

(ii) आधुनिक राजस्थानी कहानी।

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com